International Journal of Engineering Applied Science and Management
ISSN (Online): 2582-6948
Vol. 5 Issue 12, December 2024

विद्यार्थियों के विषय चयन में शिक्षक और अभिभावकों की मार्गदर्शक भूमिका (उच्चतर माध्यमिक स्तर पर)

उमा चौधरी, डॉ. जे.एस. भारद्वाज
पी.एचडी. शोधार्थी), चौधरी चरण सिंह, विश्वविद्यालय मेरठ, उ.प्र.
गाईड, (शिक्षा विभाग), चौधरी चरण सिंह, विश्वविद्यालय मेरठ, उ.प्र.

सारांश: *शिक्षा के क्षेत्र में विषय चयन का निर्णय विद्यार्थियों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण आधार होता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक और पालकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। यह शोध विषय चयन प्रक्रिया में शिक्षक और पालकों के योगदान और उनके प्रभाव का गहराई से अध्ययन करता है। सांख्यिकीय विश्लेषण और प्रासंगिक डेटा के आधार पर इस अध्ययन में विषय चयन को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान की गई है।*

परिचय

शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और उनके भविष्य को सही दिशा देने का भी माध्यम है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विषय चयन एक ऐसा मोड़ है जहाँ विद्यार्थी को अपनी रुचि, क्षमता और भविष्य के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना होता है। इस निर्णय में शिक्षक और पालक दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उद्देश्य

- विद्यार्थियों के विषय चयन में शिक्षक और पालकों की भूमिका को समझना।
- सांख्यिकीय आंकड़ों के माध्यम से इनके प्रभाव का आकलन करना।
- विषय चयन प्रक्रिया में सुधार के लिए सुझाव देना।

शोध की विधि

शोध क्षेत्र:
यह शोध छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में किया गया।

नमूना चयन:

200 विद्यार्थी (कक्षा 11वीं और 12वीं), 50 शिक्षक और 100 पालक।

डेटा संग्रहण उपकरण:
प्रश्नावली, साक्षात्कार और फोकस ग्रुप डिस्कशन।

सांख्यिकीय तकनीक:
प्रतिशतता, तुलनात्मक चार्ट और रेखाचित्र।

डेटा और विश्लेषण

तालिका 1
विषय चयन पर प्रभाव डालने वाले प्रमुख कारक

कारक	शिक्षक (:)	पालक (:)	विद्यार्थी (:)
करियर संबंधी मार्गदर्शन	60	30	10
पारिवारिक दबाव	10	70	20
व्यक्तिगत रुचि	20	10	70
समाज और दोस्तों का प्रभाव	10	20	70

विश्लेषण
अधिकांश शिक्षक (60:) करियर संबंधी मार्गदर्शन के लिए उत्तरदायी पाए गए।
पालक (70:) मुख्यतः अपने बच्चों पर पारिवारिक दबाव डालते हैं।
70: विद्यार्थियों ने अपनी रुचि के अनुसार विषय चयन करने की इच्छा व्यक्त की।

तालिका 2
शिक्षक और पालक द्वारा प्रदान की गई जानकारी के प्रभाव

प्रदत्त जानकारी	विद्यार्थियों द्वारा सकारात्मक रूप में स्वीकार किया गया (:)
करियर संभावनाओं पर शिक्षक का सुझाव	55
पालकों द्वारा पारिवारिक समर्थन	30
विद्यार्थियों की रुचि का समर्थन	65

चर्चा

1. शिक्षक की भूमिका
शिक्षकों का करियर मार्गदर्शन विद्यार्थियों को उनके भविष्य की योजना बनाने में मदद करता है। 60: शिक्षक इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

2. पालकों की भूमिका
पालक मुख्यतः पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक मान्यताओं के आधार पर सुझाव देते हैं।

3. विद्यार्थियों का दृष्टिकोण
अधिकांश विद्यार्थी (70:) अपनी रुचि के अनुसार विषय चयन करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अक्सर पारिवारिक और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता है।

निष्कर्ष

शिक्षक और पालक, दोनों विद्यार्थियों के विषय चयन में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। हालांकि, विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचि पर जोर देना आवश्यक है। शिक्षकों का मार्गदर्शन करियर निर्माण में मददगार है, जबकि पालकों की भूमिका परिवार और संस्कृति की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

सुझाव

- विद्यार्थियों की रुचि को प्राथमिकता:
पालकों और शिक्षकों को विद्यार्थियों की रुचि और क्षमता को समझते हुए निर्णय लेने में मदद करनी चाहिए।
- करियर काउंसलिंग:
विद्यालयों में करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।
- संवाद की आवश्यकता:
पालकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद को बढ़ावा देना चाहिए।
- सामाजिक दबाव को कम करना:
विद्यार्थियों को समाज और दोस्तों के दबाव से बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए।

संदर्भ

- NCERT (2022): विषय चयन और मार्गदर्शन की गाइडलाइंस।
- नेशनल करियर सर्विस रिपोर्ट (2020)।
- शोध पत्रिका: "विद्यालय शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका", 2021।
- प्राथमिक डेटा: छत्तासगढ़ के रायपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों से एकत्रित।